



ICAR ने कृषिविज्ञान केंद्रों की स्वर्ण जयंती मनाई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने 2024 में कृषिविज्ञान केंद्रों की स्वर्ण जयंती मनाई है।

मुख्य बंदि:

- पहला कृषिविज्ञान केंद्र (KVK) 21 मार्च 1974 को ICAR द्वारा स्थापित किया गया था।
 - वर्तमान में भारत में 731 KVK का नेटवर्क है, जहाँ प्रत्येक KVK 5000 से अधिक किसानों को सेवा प्रदान करता है।
 - KVK नेटवर्क विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु, पंजाब, पश्चिम बंगाल आदि में फैला हुआ है।
- KVK ज़मीनी स्तर पर किसानों के लिये प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण, बाज़ार की जानकारी और कौशल विकास के लिये एक व्यापक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

कृषिविज्ञान केंद्र(KVK)

- KVK राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद (NARS) का एक अभिन्न अंग है।
- KVK का अधिदेश इसके अनुप्रयोग और क्षमता विकास के लिये प्रौद्योगिकी मूल्यांकन तथा प्रदर्शन है।
- इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन और प्रदर्शनों के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध उद्यमों में स्थान विशिष्ट प्रौद्योगिकी मॉड्यूल का मूल्यांकन करना है।
- KVK गुणवत्तापूर्ण तकनीकी उत्पाद (बीज, रोपण सामग्री, जैव-एजेंट, पशुधन) भी उत्पादित करते हैं और इसे किसानों को उपलब्ध कराते हैं।
- KVK योजना भारत सरकार द्वारा 100% वित्त पोषित है और KVK कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों और कृषि में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों (NGO) को स्वीकृत है।
- KVK प्रयोगशालाओं और कृषि भूमि के बीच एक पुल के रूप में कार्य करते हैं। सरकार के अनुसार वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये ये महत्त्वपूर्ण हैं।